

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कल शाम गोरखपुर पहुंचे। उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरक्षनाथ की पूजा अर्चना की और अपने ब्रह्मलीन गुरु महंत अवैद्यनाथ की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनका आशीर्वाद लिया। अपने गोरखपुर दौरे के क्रम में मुख्यमंत्री आगामी छब्बीस मार्च को भगवान नरसिंह की शोभायात्रा में शामिल होंगे और होली भी खेलेंगे। वह कल गोरखपुर शहर के पांडेयहाता में होलिका दहन कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। गोरखनाथ मंदिर में होलिका दहन की राख से होली खेलने की परम्परा काफी पुरानी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक नानाजी देशमुख ने वर्ष उन्नीस सौ चौवालीस में अपने गोरखपुर प्रवास के दौरान भगवान नरसिंह रंगोत्सव शोभायात्रा की शुरुआत की थी। उनके प्रयासों से इस शोभायात्रा का गोरक्षपीठ से गहरा जुड़ाव रहा है और प्रत्येक वर्ष मुख्यमंत्री इस शोभायात्रा में हिस्सा लेते हैं।

होली पर्व और सार्वजनिक अवकाश के कारण लोकसभा चुनाव के पहले चरण की आठ सीटों के लिए कल और परसों नामांकन पत्र दाखिल नहीं किये जाएंगे। लोक अवकाश के कारण इन सीटों पर आज भी नामांकन पत्र दाखिल नहीं किये जा सके। ऐसे में इन सीटों पर नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए अब सिर्फ छब्बीस और सत्ताइस मार्च को मौका मिलेगा। रामपुर जनपद के जिला सूचना अधिकारी सुमित भारती ने बताया कि अवकाश के दिनों में संभावित प्रत्याशी सिर्फ पर्चा खरीद सकते हैं, लेकिन नामांकन पत्र दाखिल नहीं कर सकते। प्रदेश में पहले चरण में सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगीना, मुरादाबाद, रामपुर और पीलीभीत लोकसभा सीटों के लिए उन्नीस अप्रैल को मतदान होगा। इन सीटों के लिए बीस मार्च से ही नामांकन प्रक्रिया शुरू कर दी गयी थी। नामांकन प्रक्रिया के शुरू होने के बाद कल तीसरे दिन तक विभिन्न दलों के सिर्फ चार प्रत्याशियों ने ही नामांकन पत्र दाखिल किया है।

समाजवादी पार्टी ने प्रदेश की चार रिक्त पड़ी विधानसभा सीटों में से तीन विधानसभा सीटों पर प्रस्तावित उपचुनाव के लिए अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। पार्टी द्वारा जारी सूची के अनुसार शांजहांपुर के ददरौल विधानसभा से पूर्व मंत्री अवधेश कुमार वर्मा, बलरामपुर जिले के गैंसड़ी से राकेश यादव और सोनभद्र जिले के दुद्धी विधानसभा से पूर्व विधायक विजय गोंड पार्टी के प्रत्याशी होंगे। एक अन्य रिक्त पड़ी लखनऊ पूर्वी विधानसभा सीट के लिए पार्टी ने फिलहाल प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं की है।

बहुजन समाज पार्टी ने श्रावस्ती लोकसभा सीट से सांसद शिरोमणि वर्मा को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। अम्बेडकरनगर जिले के मूल निवासी बसपा सांसद पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगा है। उनके गृह जनपद के बसपा जिलाध्यक्ष सुनील सावंत गौतम ने पत्र जारी कर श्री वर्मा के निष्कासन की पुष्टि की है।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए आ रहे श्रद्धालुओं को स्पष्ट किया है कि मंदिर में वीआईपी दर्शन कराने की कोई व्यवस्था नहीं की गयी है। श्रीरामलला जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक के बाद ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कल लोगों को सतर्क किया कि थोड़ा सा समय बचाने के लिए अनावश्यक पैसे न खर्च करें क्योंकि ट्रस्ट की तरफ से दर्शन के लिए कोई विशेष व्यवस्था नहीं की गयी है। उन्होंने कहा कि चैत्र रामनवमी पर अयोध्या में करीब पच्चीस से तीस लाख श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। बीते दस मार्च को सवा दो लाख और सत्रह मार्च को पौने दो लाख श्रद्धालुओं ने रामलला के दर्शन किये हैं।

होली पर्व को लेकर ब्रज क्षेत्र समेत पूरे प्रदेश में उल्लास का माहौल है। जहां एक तरफ बाजार रंग गुलाल, पिचकारी और मिठाइयों से गुलजार हैं वहीं विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक संगठन भी होली मिलन कार्यक्रमों के जरिये भाईचारे का संदेश दे रहे हैं। प्रदेश के अलग अलग जिलों में होली खेलने की अलग अलग परम्पराएं देखने को मिलती रही हैं। पीलीभीत जिले की होली महिला सशक्तिकरण का एक अनूठा उदाहरण पेश करती है। जनपद में होली के बाद दुइज को रंग खेलने की परम्परा है। अंग्रेजों के शासनकाल के समय से ही इस गांव में होली के दौरान महिलाओं से डर कर पुरुषों के घर छोड़ कर चले जाने का रिवाज रहा है। ऐसे में जो भी मिलता है उसे महिलाएं रंग लगा कर नेग वसूलती हैं। इस साल भी वहां की महिलाओं ने ठाकुरद्वारा मंदिर में छब्बीस मार्च को यह विशेष होली खेलने की तैयारी की है।

आज पूरे देश में शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव का शहीदी दिवस मनाया जा रहा है। लाहौल षड्यंत्र मामले में वर्ष उन्नीस सौ इकतीस में आज ही के दिन तीनों क्रांतिकारियों को फांसी दी गयी थी। प्रदेश के जौनपुर जिले के कलक्ट्रेट परिसर स्थित क्रांति स्तंभ पर मोमबत्ती और अगरबत्ती जला कर तीनों क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इस मौके पर हिन्दुस्तान सोशललिस्ट रिपब्लिकन आर्मी और लक्ष्मीबाई ब्रिगेड के कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने दो मिनट का मौन रखा और उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।
